साहित्य अकादेमी में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

साहित्य अकादेमी में 30 सितंबर तक चलने वाले हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ हुआ। आरंभ में अकादेमी के उपसचिव प्रशासन कृष्णा किंबहुने ने अतिथियों का स्वागत उत्तरीय से किया,जिसके पश्चात् गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का संदेश अकादेमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश के द्वारा पढ़कर सुनाया गया। पखवाड़े का उद्घाटन साहित्य अकादेमी की उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा ने किया और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित भाषाविद् उदयनारायण सिंह उपस्थित थे। अपने उद्घाटन भाषण में प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि भाषा ऐसी परिधि है, जिसमें उस समाज और समुदाय की संस्कृति संरक्षित रहती है। हमने एकता की भाषा हिंदी को केवल आंकड़ों की भाषा में बदल दिया है। हमें हिंदी भाषा का स्वाभिमान लौटाना होगा। हिंदी के साथ ही सभी भारतीय भाषाओं का स्वाभिमान भी जुड़ा हुआ है। आगे उन्होंने कहा कि हिंदी समन्वय की भाषा है, वर्चस्व की नहीं। हिंदी भाषा के आगे बढ़ने का मतलब है, सभी भारतीय भाषाओं का विकास। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए उदयनारायण सिंह ने कहा कि हिंदी का भाषा भूगोल और काल बहुत ही रोचक है। उन्होंने कहा कि जन भाषाओं या कहे स्थानीय बोलियों ने हिंदी को बहुत समृद्ध किया है।